

Common Annual School Examination, 2018

Subject : Geography (Theory)

Class : XI (Set - II)

Time : 3 Hrs.

M.M.: 70

सामान्य निर्देश—

- (1) प्रश्नों की संख्या 22 है।
- (2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (3) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गये हैं।
- (4) प्रश्न संख्या 1 से 7 तक अतिलघु उत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 1 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (5) प्रश्न संख्या 8 से 13 तक लघु उत्तर प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के 3 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (6) प्रश्न संख्या 14 से 20 तक दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (7) प्रश्न संख्या 21—22 मानचित्र दिये गए भौगोलिक लक्षणों को पहचानने या स्थिति दिखाने और नामांकन करने से सम्बन्धित हैं।
- (8) संसार और भारत के मानचित्र दिये गए हैं, उन्हें अपनी उत्तर—पुस्तिका में अवश्य नत्थी कीजिए।
- (9) रेखा मानचित्रों के रेखांकन के लिए सांचों या स्टेंसिलों के प्रयोग की अनुमति दी जाती है।

1. किन्हीं दो कायांतरित शैलों के नाम लिखिए। 1
2. 'हॉट-स्पॉट' से आप क्या समझते हैं? 1
3. किस नदी को 'बिहार का शोक' कहा जाता है? 1
4. 'डोडाबेटा' चोटी किन पहाड़ियों में स्थित है? 1
5. सूर्यातप किसे कहते हैं? 1
6. 'उच्च अक्षांश में स्थित होने के बावजूद उत्तरी सागर में लवणता अधिक पाई जाती है।' इसका कारण बताइए। 1
7. दक्कन के पठार के अधिकतर भाग पर कौनसी मृदा पायी जाती है? 1
8. संघनन से क्या तात्पर्य है? संघनन हेतु किन्हीं दो उपयोगी दशाओं का वर्णन कीजिए। 1+2=3
9. निम्न पदों को उनके उचित विवरण के साथ मिलाइए— ½×6=3
अ ब

- | | |
|---------------|-------------|
| (i) अपसौर | (a) 3 जनवरी |
| (ii) सूर्यातप | (b) 4 जुलाई |

- (iii) उपसौर (c) सबसे कोष्ण और सबसे शीत महीनों के माध्य तापमान का अन्तर
- (iv) एलबिदो (d) समान तापमान वाले सीनों को जोड़ने वाली रेखा
- (v) समताप रेखा (e) आने वाला और विकिरण
- (vi) वार्षिक तापांतर (f) किसी वस्तु के द्वारा परावर्तित दृश्य प्रकाश का प्रतिशत
10. कौन सी वृहत भौगोलिक इकाई को भारतीय उपमाहद्वीप कहा जाता है? इस इकाई में कौन से देश शामिल हैं? $2+1=3$
11. मृदा अपरदन से क्या तात्पर्य है? मृदा अपरदन के लिए उत्तरदायी किन्हीं दो कारणों का वर्णन कीजिए। $1+2=3$
12. किन्हीं तीन प्रयासों की विवेचना कीजिए जो वन्यप्राणी संरक्षण के लिए उपयोगी हो सकती है। $3 \times 1=3$
13. हिमालयी अपवाह तंत्र एवं प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्रों में कौन तीन अंतर स्पष्ट कीजिए। $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=3$
14. हेस ने किस परिकल्पना को प्रस्तुत किया? चट्टानों के पुरा चुम्बकीय अध्ययन और महासागरीय तल के मानचित्रण ने विशेष रूप से किन तथ्यों को उजागर किया? स्पष्ट कीजिए। $1+4=5$
15. 'अपक्षय' को परिभाषित कीजिए। रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाएँ कितने प्रकार की होती हैं? 'जलयोजन' प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। $1+1+3=5$
16. ज्वार—भाटा से क्या अभिप्राय है? ज्वार—भाटा की उत्पत्ति के क्या कारण हैं? ज्वार भाटा के महत्व को किन्हीं तीन बिन्दुओं में समझाइए। $1+1+3=5$
17. निम्न पदों को सावधानी पूर्वक मिलाइए— $\frac{1}{2} \times 10=5$
- | | |
|---------------------|---------------------------------|
| (i) अरावली | (a) एक ब्लॉक पर्वत |
| (ii) पॉगॉग त्सो | (b) खाना बदोश लोग |
| (iii) सतपुड़ा | (c) हिमाचल और उत्तराखण्ड हिमालय |
| (iv) भोटिया | (d) एक लवण जल झील |
| (v) फूलों की घाटी | (e) अवशिष्ट पर्वत (पहाड़ियाँ) |
| (vi) मिशमी | (f) एक जनजाति समुदाय |
| (vii) जलोढ़ मैदान | (g) चन्द्र भागा |
| (viii) लोकताल झील | (h) खादर |
| (ix) चेनाब नदी | (i) चेमायुंगडुगं |
| (x) ब्रह्मपुत्र नदी | (j) मणिपुर |

18. जैव विविधता से आप क्या अभिप्राय है? जैव विविधता को समझने के कितने स्तर हैं? प्रत्येक की विवेचना कीजिए। $1+1+3=5$
19. कौन-सी गैसों हरितगृह गैसों कहलाती हैं? इन गैसों के नाम लिखिए। उनके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए। $1+1+3=5$
20. पर्यावरण और समाज के विभिन्न पक्षों पर सूखे का सोपानी प्रभाव पड़ता है। स्पष्ट करते हुए सूखे के शमन के लिए उपयोगी दीर्घकालिक उपायों की विवेचना कीजिए। $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$
21. संसार के लिए गए भौगोलिक रेखा मानचित्र में पाँच भौगोलिक लक्षण A, B, C, D और E के द्वारा दर्शाए गए हैं। इन लक्षणों को नीचे दी गई जानकारी की सहायता से पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची रेखाओं पर लिखिए : $5 \times 1 = 5$
- (1) एक पर्वत श्रेणी
 - (2) एक समुद्री धारा
 - (3) एक नदी
 - (4) एक महाद्वीप
 - (5) एक छोटी विवर्तनिक प्लेट।

नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है—

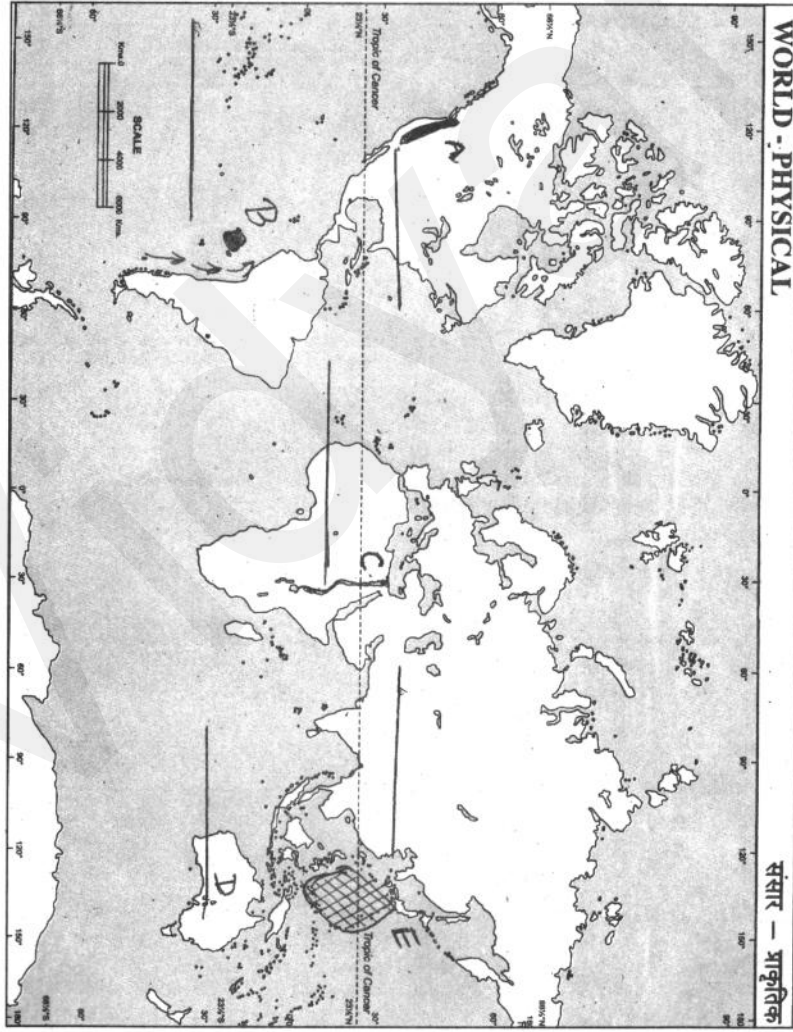
- 21.1 उत्तरी अमेरिका के वलित पर्वत का नाम लिखिए।
- 21.2 दक्षिण अमेरिका के पश्चिमी तट पर बहने वाली ठंडी समुद्री धारा का नाम बताइए।
- 21.3 अफ्रीका की सबसे लम्बी नदी का नाम लिखिए।
- 21.4 विश्व का सर्वाधिक छोटे महाद्वीप का नाम बताइए।
- 21.5 दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित छोटी विवर्तनिक प्लेट का नाम बताइए।
22. भारत के दिए गए भौतिक रेखा मानचित्र में निम्नलिखित की स्थित उपयुक्त चिन्हों से दिखाइए और उनके नाम लिखिए : $5 \times 1 = 5$
- (1) नर्मदा नदी
 - (2) कोरोमण्डल तट
 - (3) मानस जीवमंडल निचय
 - (4) कंचनगंगा पर्वत चोटी
 - (5) छोटानागपुर का पठार।

—

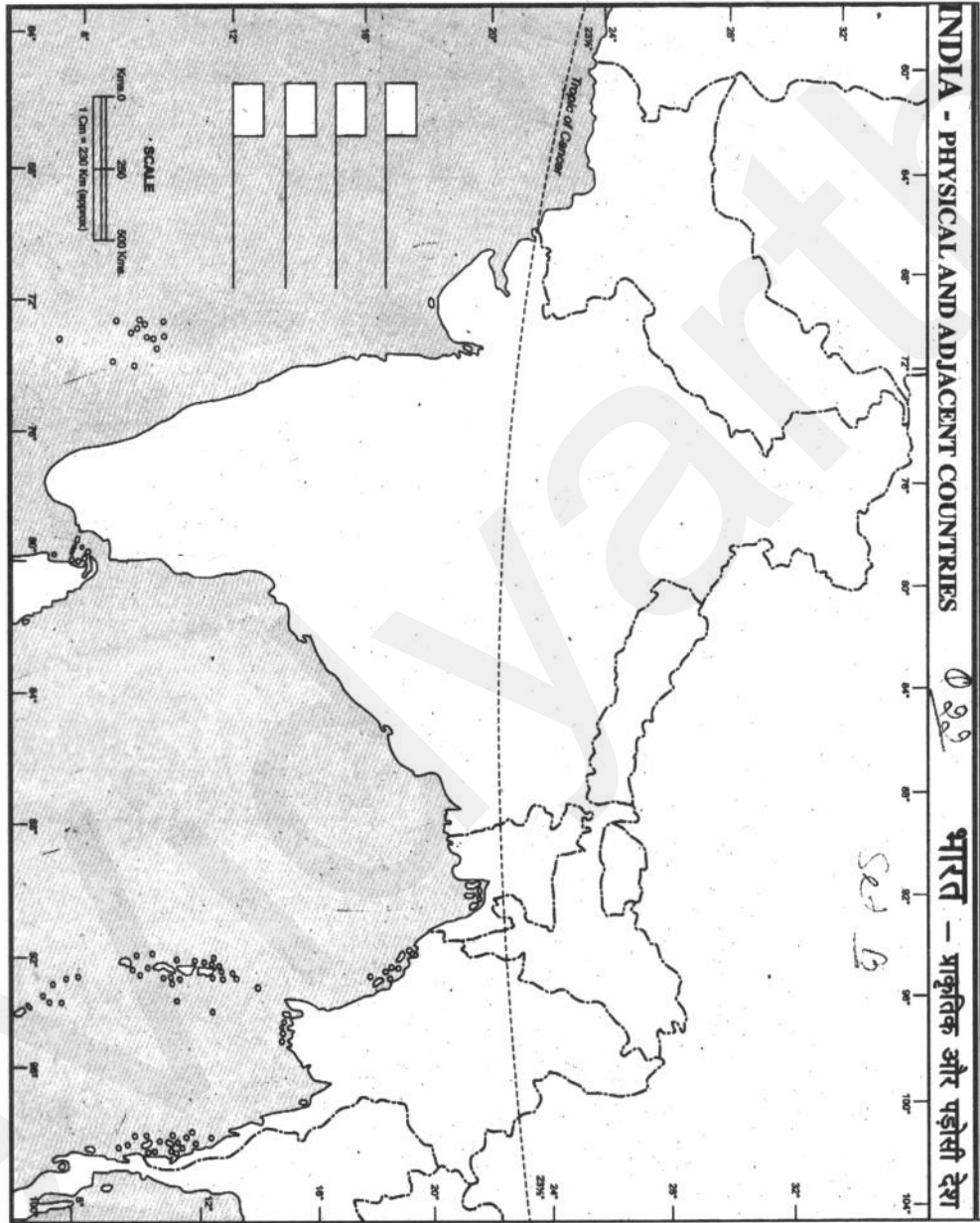
नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 22 के स्थान पर है—

- 22.1 अरब सागर में मिलने वाली सबसे बड़ी नदी का नाम बताइए ।
- 22.2 भारत के पूर्वी तट की दक्षिणी भाग का नाम लिखिए ।
- 22.3 असम के किसी एक जीवमंडल निचय का नाम लिखिए ।
- 22.4 दार्जिलिंग व सिक्कम हिमालय की सर्वोच्च चोटी का नाम बताइए ।
- 22.5 झारखण्ड में स्थित एक पठार का नाम बताइए ।

Q. No. 21



Q. No. 22



Marking Scheme
Common Annual School Examination, 2018
Subject : Geography (Theory)

Time : 3 Hrs.

Class : XI

M.M.: 70

1)	ग्रेनाइट, स्लेट, शिस्ट, संगमरमर, क्वार्ट्ज और सायनाइट। (कोई दो)	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2}$	1
2)	जिन क्षेत्रों में प्रजातीय विविधता अधिक होती है, उन्हें विविधता के हॉट-स्पॉट कहते हैं।		1
3)	कोसी।		1
4)	नीलगिरी।		1
5)	पृथ्वी को प्राप्त होने वाली ऊर्जा को आगामी सौर विकिरण या छोटे रूप में सूर्यातप कहते हैं		1
6)	उत्तरी अटलांटिक प्रवाह के द्वारा लाए गए अधिक लवणीय जल के कारण उत्तरी सागर में लवणता अधिक पाई जाती है।		1
7)	काली मृदाएँ।		1
8)	जलवाष्प का जल के रूप में बदलना संघनन कहलाता है। संघनन हेतु दशाएँ:	1 + 2	3
	(i) वायु का आयतन नियत हो एवं तापमान ओसांक तक गिर जाए।		
	(ii) वायु का आयतन तथा तापमान दोनों की कम हो जाएँ।		
	(iii) वाष्पीकरण द्वारा वायु में और अधिक जल प्रविष्ट हो जाए।		
	(कोई दो)		
9)	(अ) (ब)		
	(i) अपसौर - (b) 4 जुलाई	$\frac{1}{2} \times 6$	3
	(ii) सूर्यातप - (e) आने वाला सौर विकिरण		
	(iii) उपसौर - (a) 3 जनवरी		
	(iv) एल्बिडो - (f) किसी वस्तु के द्वारा परावर्तित दृश्य प्रकाश का प्रतिशत		
	(v) समताप रेखा - (d) समान तापमान वाले स्थानों को जोड़ने वाली रेखा		
	(vi) वार्षिक तापांतर - (c) सबसे कोष्ण और सबसे शीत महीनों के माध्य तापमान का अन्तर		
10	भारतीय उपमहाद्वीप :- उत्तर में हिमालय पर्वत, उत्तर-पश्चिम में हिन्दूकुश व सुलेमान श्रेणियों, उत्तर पूर्व में-पूर्वांचल पहाड़ियों तथा दक्षिण में विशाल हिन्दमहासागर से सीमांकित एक बृहत् भौगोलिक इकाई को भारतीय उपमहाद्वीप कहा जाता है। देश:- पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और भारत हैं।	2 + 1	3
11.	मृदा-आवरण का नष्ट होना, मृदा अपरदन कहलाता है। उत्तरदायी कारण:-	1 + 2	3
	(i) वनोन्मूलन		
	(ii) अति सिंचाई		
	(iii) रासायनिक उर्वरक (अन्यसम्बन्धित बिन्दु)		
12.	(i) वन्य प्राणी अधिनियम-1972 (ii) देश में 92 नेशनल पार्क तथा 492 वन प्राणी अभ्यारण्य की स्थापना (iii) प्रोजेक्ट टाइगर (1973), प्रोजेक्ट एलीफेन्ट 1992 (iv) मगर मच्छ प्रजनन परियोजना, हुगुल परियोजना आदि (v) कोई तीन का वर्णन (अन्य सम्बन्धित बिन्दु)	3x1	3
13.	हिमालयी अपवाह तंत्र:	$1\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2}$	3
	(i) ये नदियाँ हिमालय से निकलकर उत्तरी भारत के उपजाऊ मैदानों में बहती हुई बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।		
	(ii) हिमालयी अपवाह तंत्र नवीन है।		
	(iii) यहाँ नदियाँ विसर्प बनाती हैं और अपने मार्ग बदलती रहती हैं।		

- (iv) हिमालयी हिमाच्छादित क्षेत्रों से जल प्राप्त करने के कारण ये नदियाँ बारहमासी हैं। (कोई तीन)
प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र:
- (i) ये नदियाँ पश्चिमी धात एवं प्रायद्वीपीय पठार से निकलकर पश्चिम से पूर्व की ओर बहती हैं।
(ii) प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र पुराना है।
(iii) प्रायद्वीपीय नदियाँ सुनिश्चित मार्ग में बहती हैं तथा ये विसय नहीं बनाती हैं।
(iv) वर्षा निर्भर होने के कारण ग्रीष्म ऋतु में सुख जाती हैं।
(कोई तीन)
14. (A) सागरीय अघस्तल विस्तार: 1x4 5
(B) (i) मध्य महासागरीय कटकों के साथ-साथ ज्वालामुखी उद्गार सामान्य क्रिया है। ये उद्गार क्षेत्र में बड़ी मात्रा में लावा बाहर निकालते हैं।
(ii) महासागरीय कटक के मध्य भाग के दोनों तरफ समान दूरी पर पाई जाने वाली चट्टानों के निर्माण का समय, संरचना संघटन और चुम्बकीय गुणों में समानता पाई जाती है। कटकों के समीप चट्टानों में सामान्य चुंबकीय घुषण पायी जाती है थोड़ा की आयु भी अधिक है।
(iii) महासागरीय पर्वटी की चट्टानें महाद्वीपीय पर्वटी की चट्टानों की अपेक्षा अधिक नई है। महासागरीय पर्वटी की चट्टानें कहीं भी 20 करोड़ वर्ष से अधिक पुरानी नहीं हैं।
(iv) गहरी खाइयों में भूकंप के उद्गम अधिक गहराई पर हैं। जबकि मध्य महासागरीय कटकों के क्षेत्र में भूकंप उद्गम केन्द्र कम गहराई पर विद्यमान है।
15. अपक्षय को मौसम एवं जलवायु के कार्यों के माध्यम से शैलों के यांत्रिक विखंडन एवं रासायनिक वियोजन/अपघटन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। 1+1+3 5
रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाएँ :-
(i) घोल/विलयन
(ii) कार्बो नेशन
(iii) जलयोजन
(iv) आक्सीकरण एवं न्यूनीकरण
जल भोजन:-
(i) जल का रासायनिक योग है। खनिज स्वयं जल धारण करके विस्तारित हो जाते हैं जो पदार्थ के आयतन अथवा शैल में वृद्धि का कारण बनते हैं।
(ii) जल मिलने के बाद कैल्शियम सल्फेट, जिप्सम में परिवर्तित हो जाता है, यह कैल्शियम सल्फेट की अपेक्षा अधिक अस्थायी होता है।
(iii) प्रतिक्रिया उत्क्रमणीय एवं लंबी होती है सतत पुनरावृत्ति से शैलों में शांति हो जाती है। जिससे उनमें विघटन हो सकता है। अनेक बले खनिज शुष्क एवं आर्द्र होने की प्रक्रिया में फूलते एवं सुंकचित होते हैं।
(iv) प्रक्रिया की पुनरावृत्ति उपरिशायी पदार्थों में दरार का कारण बनती है। रन्ध्रक्षेत्र में समाहित लवण तीव्र विभाग में सहायक होता है। (कोई तीन)
16. चन्द्रमा सूर्य के आकर्षण के कारण समुद्री जल-स्तर का दिन में एक बार या दो बार नियमित रूप से उठने या गिरने को ज्वार भाटा कहा जाता है। 1+1+3 5
ज्वारा-भाटा उत्पत्ति के कारण-
(i) चन्द्रमा एवं सूर्य की गुरुत्वाकर्षण शक्ति।
(ii) अपकेन्द्रीय बल- जो गुरुत्वाकर्षण को संतुलित करता है।
ज्वार भाटा का महत्व:
(i) यह नौ-संचालकों व मछुआरों को उनके कार्य संबंधी योजनाओं में मदद करता है।
(ii) यह तलछतों को साफ करने एवं ज्वार नव से प्रदूषित जल को बाहर निकालने में मदद करता है।
(iii) ज्वारों का इस्तेमाल विद्युत शक्ति उत्पन्न करने में भी किया जाता है।
(अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई तीन)

17. पदों का मिलान- ½ + 10 5
- (A)
- | | | |
|---------------------|---|-------------------------------|
| (i) अरावली | - | (e) अवशिष्ट पर्वत (पहाड़ियाँ) |
| (ii) पॉगॉंग सो | - | (d) एक लवण जल झील |
| (iii) सतपुडा | - | (a) एक ब्लॉक पर्वत |
| (iv) भोटिया | - | (b) खाना बंदोश लोग |
| (v) फूलों की घाटी | - | हिमाचल और उत्तराखण्ड हिमाचल |
| (vi) भि शमी | - | (f) एक जनजाति समुदाय |
| (vii) जलौढ़ मैदान | - | (h) खादर |
| (viii) लोकताक झील | - | (j) मणिपुर |
| (ix) चेनाब नदी | - | (g) चन्द्रभागा |
| (x) ब्रह्मपुत्र नदी | - | (i) चेमा पुंगडुंग |
18. (a) किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में पाए जाने वाले जीवों की संख्या और उनकी विविधता को जैव-विविधता कहते हैं। 1+1+3 5
- (b) जैव विविधता के तीन स्तरों पर समझा जा सकता है।
- (i) आनुवांशिक जैव विविधता।
- (ii) प्रजातीय जैव-विविधता।
- (iii) पारितंत्रीय जैव-विविधता।
- (c) (i) आनुवांशिक जैव-विविधता :- जीवन निर्माण हेतु जीन मूलभूत इकाई है। प्रजाति में जीन की विविधता ही आनुवांशिक जैव विविधता है। समान भौतिक लक्षणों वाले जीवों के समूह को प्रजाति कहते हैं।
- (ii) प्रजातीय विविधता :- प्रजातियों की अनेक रूपता को व्यक्त करती है, यह निर्धारित क्षेत्र में प्रजातियों की संख्या से सम्बन्धित है। प्रजातियों की विविधता उनकी समृद्धि, प्रकार तथा बहुलता से आँकी जा सकती है।
- (iii) पारितंत्रीय विविधता :- पारितंत्रों के प्रकारों में व्यापक भिन्नता, प्रत्येक प्रकार के पारितंत्रों में होने वाले पारितंत्रीय प्रक्रियाएँ तथा आवास स्थानों की भिन्नता ही पारितंत्रीय विविधता बनाते हैं।
19. वे गैसों जो दीर्घ तरंगी विकिरण का ज्यादा अच्छी तरह से अवशोषण करती हैं, हरितगृह गैसों कहलाती हैं। 1+1+3 5
- हरितगृह गैसों:- कार्बन डाइऑक्साइड, क्लोरो-फ्लोरोकार्बन्स, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, ओजोन आदि।
- (i) भू-मण्डलीय तापन में वृद्धि होगी और वैश्विक जलवायु में परिवर्तन होगा।
- (ii) हिमानियों के पिघलने से समुद्र तल ऊँचा होगा और प्राकृतिक बातों की संख्या बढ़ जायेगी तथा निम्नवर्ती क्षेत्र डूब जायेंगे।
- (iii) जलवायु परिवर्तन से मलेरिया जैसी कीटजन्य बीमारियाँ बढ़ जायेंगी।
- (iv) वर्तमान जलवायु सीमाओं में बदलाव होने से कुछ भाग अधिक जलसिक्त और कुछ भाग शुष्क हो जायेंगे।
- (v) जनसंख्या और पारितंत्र में भी बदलाव हो जायेंगे।
- (कोई तीन)
20. सूखे का प्रभाव:- 2½ + 2½ 5
- (i) फसलें बर्बाद हो जाती हैं और पशुओं के लिए चारा कम हो जाता है।
- (ii) सूखा प्रभावित क्षेत्रों में वृत्तत पैमाने पर मवेशियों और अन्य पशुओं की मौत, मानव प्रवास तथा पशु पलायन सामान्य-घटना है।
- (iii) जल की कमी के कारण लोग दूषित जल पीने को बाध्य होते हैं पेय जल संबंधी बीमारियाँ आन्त्रशोध, हैजा व हेपेटाइटिस हो जाती हैं।
- (अन्य सम्बन्धित बिन्दु) (कोई तीन)
- सूखे से निपटने के दीर्घकालिक उपाय:
- भूमिगत जल-भण्डार का पता लगाना।
- जल अधिक्य क्षेत्रों से जल की कमी-वाले क्षेत्रों में पानी पहुँचाना।
- नदियों को जोड़ना और बाँध और जलाशयों का निर्माण आदि।

- अन्य सम्बन्धित बिन्दु (कोई तीन)
21. (i) रॉकी पर्वत 5x1 5
(ii) पेरू की धारा/ हम्बोल्ट धारा
(iii) नील नदी
(iv) आस्ट्रेलिया महाद्वीप
(v) फिलीपीन प्लेट
- नोट: निम्नलिखित उत्तर केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए: 5
- 21.1 - रॉकी पर्वत
21.2 - पेरू की धारा/ हम्बोल्ट धारा
21.3 - नील नदी
21.4 - आस्ट्रेलिया महाद्वीप
21.5 फिलीपीन प्लेट
22. मानचित्र संलग्न। 5x1 5
- नोट: निम्नलिखित उत्तर केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 22 के स्थान पर है:
- 22.1 नर्मदा नदी।
22.2 कोरोमण्डल तट।
22.3 मानस / डिब्रुसाईकोटा
22.4 कंचनजुंगा चोटी।
22.5 छेतानागपुर पठार / पलामु पठार / राँची पठार (कोई एक)

